an>

Title: Regarding setting up of AIIMS in Jalandhar, Punjab.

श्री संतोख सिंह चौधरी (जालंधर) : अध्यक्ष जी, मैं सुबह भी कह रहा था कि पंजाब दवाबा बहुत महत्वपूर्ण रीजन है। उसका क्षेत्र जालंधर है, जो मेरा संसदीय क्षेत्र है। यह एरिया हमेशा स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहा है। वर्ष 1994 में वहां कांग्रेस की सरकार थी और सरदार बेअंत सिंह वहां के मुख्यमंत्री थे। उस समय वहां एक सरकारी गन्ना फार्म था, उसमें से 56 एकड़ जमीन ले कर एक एम्स जैसा संस्थान बनाने का सरकार ने फैसला किया और उस पर 140 करोड़ रुपये खर्च हुए। उस पर भव्य इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्ड हुआ है। उसमें मेडिकल कॉलेज बनना था और उसमें एम्स की तरह सारी सुविधायें दी जानी थी। उस वक्त की हमारी सरकार ने भी इसके लिए कोशिश की। हमने भारत सरकार को लिखा कि एम्स इसको टेक ओवर करे। पर आनफारचूनेटली, सरकार बदल गयी। अब उसकी वैल्यू 1500 करोड़ रुपये है। प्रांतीय सरकार ने अपने एक मौजूदा मंत्री को 131 करोड़ रुपये में उसकी एक सोसायटी को लीज पर दे दिया।

अब भारत सरकार ने यह एनाउंस किया है कि पंजाब को एक एम्स मिलना है। जिस सोसायटी को 131 करोड़ रुपये में लीज पर दी गयी है, वह उसे चला नहीं पा रही है और एम.सी.आई. उसको इजाजत नहीं दे रहे हैं। मेरा अनुरोध है कि जालंधर में पीम्स का बुनियादी ढांचा बना हुआ है, पंजाब को जालंधर में एक एम्स दिया जाये ताकि मेरे संसदीय क्षेत्र और आस-पास सारे एरिया के लोगों के स्वास्थ्य सुविधायें मिलें।